3540 Sale 44500/- Kodarma 0.08 SA-5570.00 3511 1000Rs.

1800.00
27.00
2.50
0.94
1830.44

12/8 12/8/98

Bishwa Nath Gorai 12/8/98

4680.00
890.00
5570.00

1573/1574

लेख्यकारी श्री बिश्वनाथ गोराई पिता स्व० गुलाम चन्द्र गोराई जाति बंगाली तेली राष्ट्रीयता भारतीय पेशा गृहस्ती, साकीन भूली, थाना वो जिला धनबाद हाल मुकाम कोड़रमा प्रगना वो थाना कोड़रमा सब रजिस्ट्री डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री वो जिला कोड़रमा।

Shukhdeo Singh

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(२)

लेख्य धारी श्री मती शकुन्तला देवी पति श्री सुखदेव सिंह कायम जाति राजपूत राष्ट्रीयता भारतीय, पेशा गृहस्ती साकीन मौजा दुबाड़ीह, परगना वो थाना मरकचो, हाल मुकाम कोड़रमा परगना वो थाना ~~मरकचो~~ कोड़रमा सब रजिस्ट्री, डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री वो जिला कोड़रमा।

Bishwa Nath Gorai 12/8/98

लेख्य प्रकार केवाला बैय ला कलामी (विक्रय-पत्र)

मूल्य मो० वलग ४४५००/ (चौवालीस हजार पांच सौ) रुपये मात्र।

नाम मालीक बिहार सरकार अंचल ऑफीस कोड़रमा। अन्दर अधिसूचित क्षेत्र कोड़रमा।

Bishwa Nath Gorai 12/8/98

Witness by :- Premchand Yadav M. Present Kodarma 12.8.98

Sukhdeo Singh

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

मालगुजारी — मोवलग 0.20 पैसा माल जलावे शेष।

सम्पति — मवाजी रकबा 0.08 डी० (आठ डी०) जमीन हकीयत रैयती कायमी. खरीददारी को दखली वाके मौजा कोड़रमा अधिसूचित क्षेत्र कोड़रमा के अन्दर थाना नं. 333 के अन्तर्गत खाता नं. 29 (उनतीस) वो हसब प्लौट रकबा वो चौहद्दी जैल के बिक्री करते हैं।

यह कि उपरोक्त भूमि हम लेख्यकारी वो भाई लेख्यकारी के नाम से बजरिये दो रजिस्ट्री केवाला से हासील है। पहला कीता केवाला रजिस्ट्री मरकुमा तारीख 26-4-69ई. को नवीस्ते मो० गुंजरी से रजिस्ट्री ऑफीस हजारीबाग से हासील है। जिसका दस्तावेज नं- 3320 सन 1969ई है वो दुसरा कीता केवाला रजिस्ट्री भी नवीस्ते मो० गुंजरी से ब. तारीख 26-4.69ई- को हासील है। जिसका बुक नं.1 वो

Bishwanath Gupta 12/8/98

S.

Sukhdeo Singh

1000Rs.

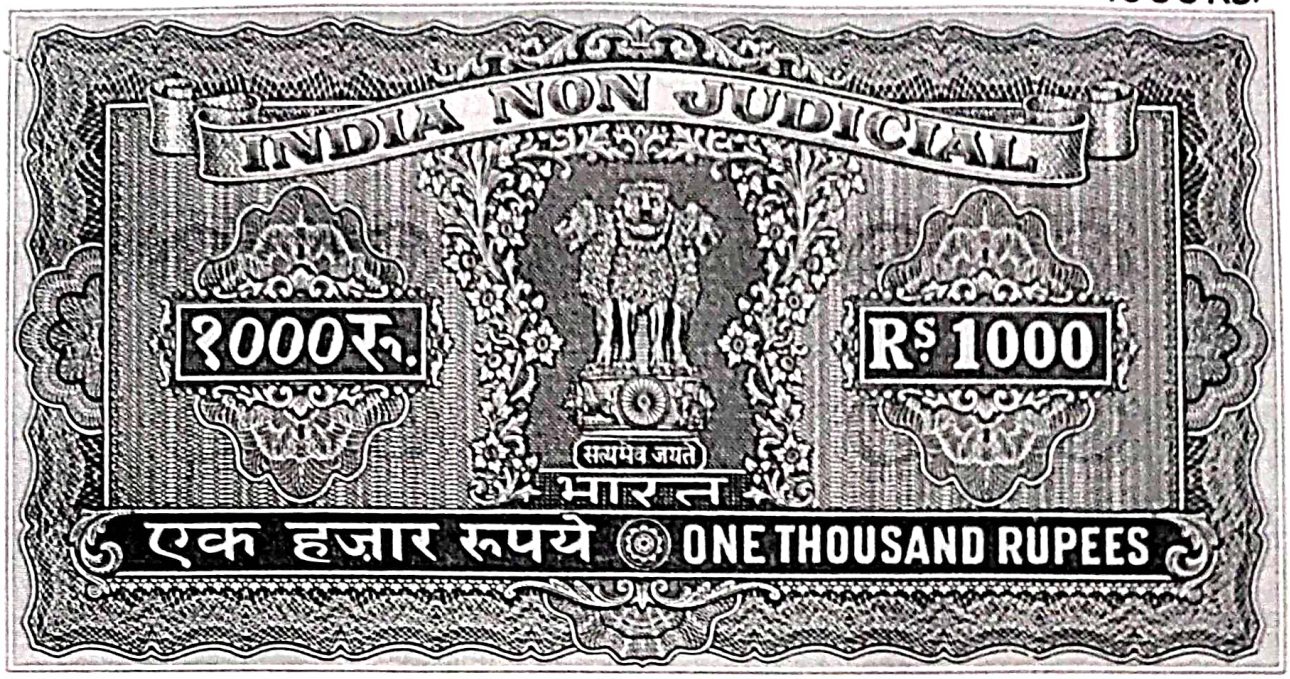

दस्तावेज नं० ६४२३ सन १९६३ ई है।
वो बराबर से दखलकार चले आते हैं।
भाइयों के बीच बंटवारा करा के बंटवारे
की जमीन पर लेख्यकारी जुदागाने
दाखलकार चले आते हैं, वो हैं। के
मन लेख्यकारी आपना हक वो हिस्सा
की जमीन खास लेख्यधारी के बिक्री
करते हैं। सो सब रजिस्ट्री डिस्ट्रीक्ट
रजिस्ट्री वो जिला कोडरमा। विक्रय भूमि
नक्शा में लाल रंग से दिखलाया गया है जो सर्वे नक्शा के हुबहू है। जो इस दस्तावेज में संलग्न है।
खाता नं० २९ (उनतीस)

१. प्लौट नं० ४३२३ (तैंतालीससौ तेइस)
रकवा ०.३८½ डी० मध्ये विक्रयरकवा
०.०८ डी० (आठ डी०) जिसका पैमाईस
पु० से प० की लम्बाई १०८ फीट ६ ईंच
एवम् उ० से द० की चौड़ाई ३१ फीट १० ईंच

Bishwa Nath Gupta 12/8/98

S.

Sukhdeo Singh

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

जिसका हाल चौहद्दी :- उ० हाल खरीदगी बच्चू साव द० प्लॉट का शेष अंश लेख्य-कारी का पु० रास्ता (मोटा भीन्ड) प० हाल खरीदगी सुखदेव सिंह वाके है।

Bishwanath ... 12/8/98

विवरण

यूं मज लेख्यकारी को वास्ते काम जरूरी वो भी करने लड़की की शादी के बाबत खर्चा वो भी दिगर दिगर खुदरिया खर्चा के रुपया का सख्त वो नेहायत जरूरी है। बिना किये इन्तकाल रैयती जायदाद के रुपया का सबील होना। कोई दिगर जायदाद नजर मे दिखलायी नहीं पड़ती है। इसलिये लेख्य-कारी ने लेख्यधारी से मो०मबलग 84400/

Sukhdeo Singh

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

रुपया लिया वो ऊपर लिखा मवाजी
0.02 डी० जमीन जिसका तारीफ ऊपर
मे पूरा पूरा दर्ज है साथ लेख्य धारी
के बिक्री किया। वो वैय कामील किया।
दखलकार गरदान्। चाहिये कि लेख्यधारी
मय वारिसान दखलकार हो कर। वो रह
कर। जोत आबाद कर। पैदावार हर
साल अपने भोग वो तसरुफ मे दर
लाया करे) (कुल दावी दखल हक-
हकूक आज के तारीख से लेख्य-
धारी मय वारिसान के हवाले कर।
मालीक बनाया। वो खाश दखल दे
दिया। चाहिये कि लेख्य धारी खुद काश्त
करें, बटाय लगावें, बाग- बगीचा लगावें,
कुआं खुदावें, या मकान बनावें, यानि

Bishwanath Singh 12/8/98

Sukhdeo Singh

50 Rs.

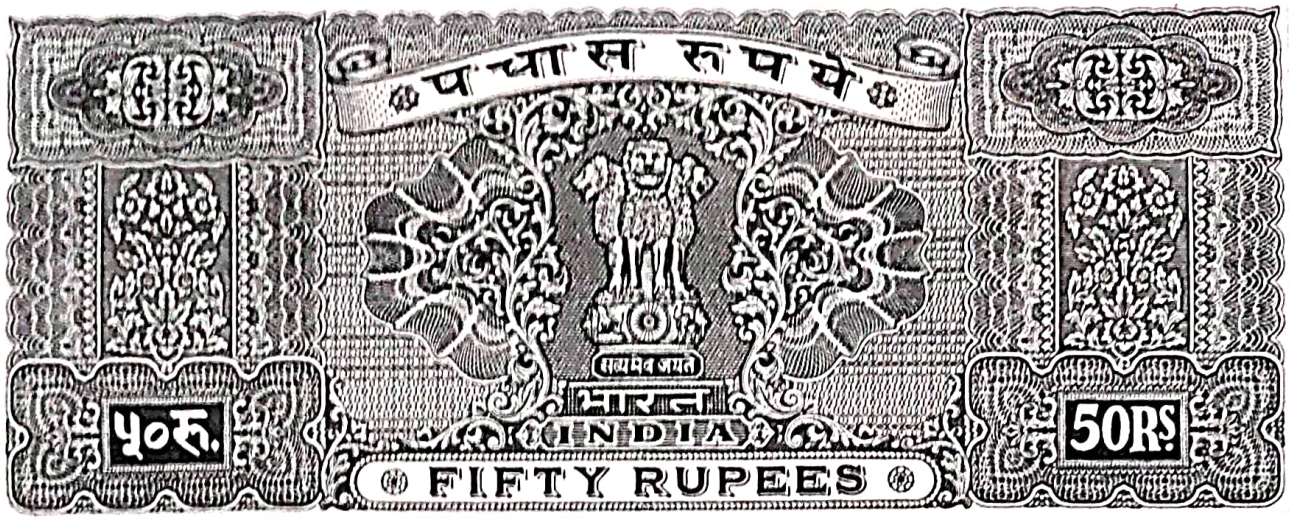

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५० रु.

50 RS

FIFTY RUPEES

जिस कदर से अपना लाभ वो सुवीधा
समझे अपने अमल में दर लाया
करें। रैय बिक्रय सम्पति हर तरह के
वारदेन से पाक वो साफ है। अगर
किसी प्रकार का वारदेन पाया गया,
तो उसका देनदार हम लेख्य कारीमय
वारीसान हैं, वो होंगे। चाहिये कि
लेख्य धारी अपने अंचल ऑफीस में
दाखील खारीज करा के सालो साल
अपने नाम से रसीद हासील किया
करें। उपरोक्त केवाला हाजा का
कुल जर समन तमाम बेबाक वसुल
पाया। खरमोहरा बाकी नहीं रहा।

Bishwanath [illegible] 12/8/98

Surendra Singh

20 Rs.

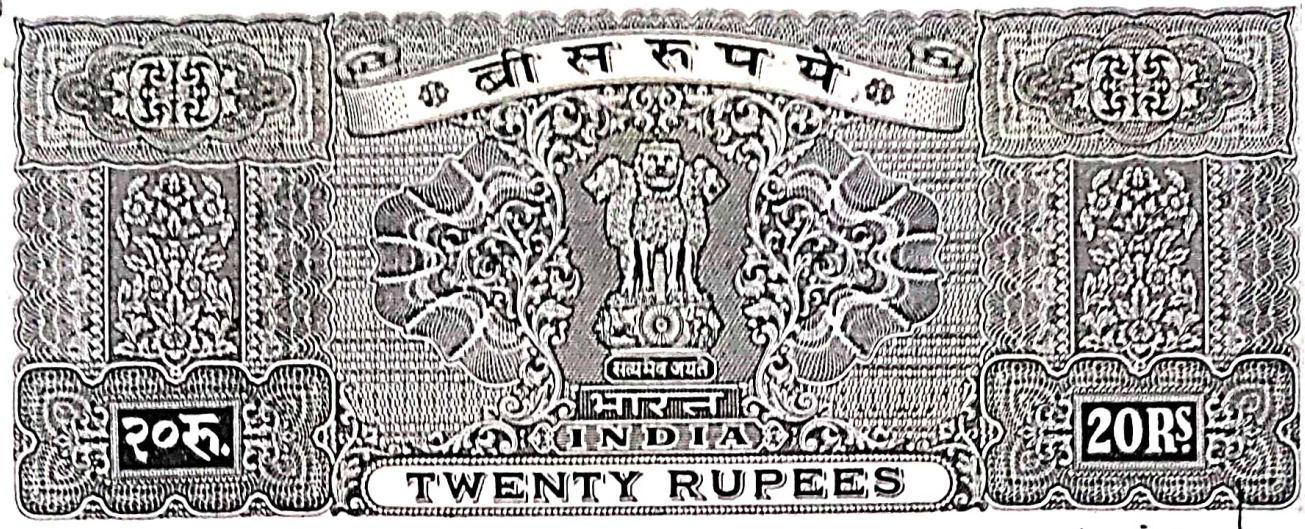

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२०रु.

20RS.

TWENTY RUPEES

इसलिये आपने होश- हवास से रह कर।
बिना किसी के धम कावट की बह-
कावट के रह कर, अपनी राजी खुशी
से केवाला हजा लिख दिया। जो
समय पर काम आवे। आज ता०१२।८-९८
ई० मो० कोडरमा। वाजे रहे कि दुवारा
स्टाम्प के छठा सतर में "मरकचो" लिख
कर काटा गया है सो सही बा० का०

कातीब:- राम प्रसाद यादव प०नवीन
ग्राम कोडरमा, श्री राम प्रसाद यादव सा०
ठीक करता हूँ - मजमून दस्तीका
छता कात्मी० को पढ़ कर सुना समझा
दिया। ते राम पढ़ कर समझा कि (सही)
१२।८।९८

Bishwa Nath Garg
12/8/98

Sukhdeo Singh